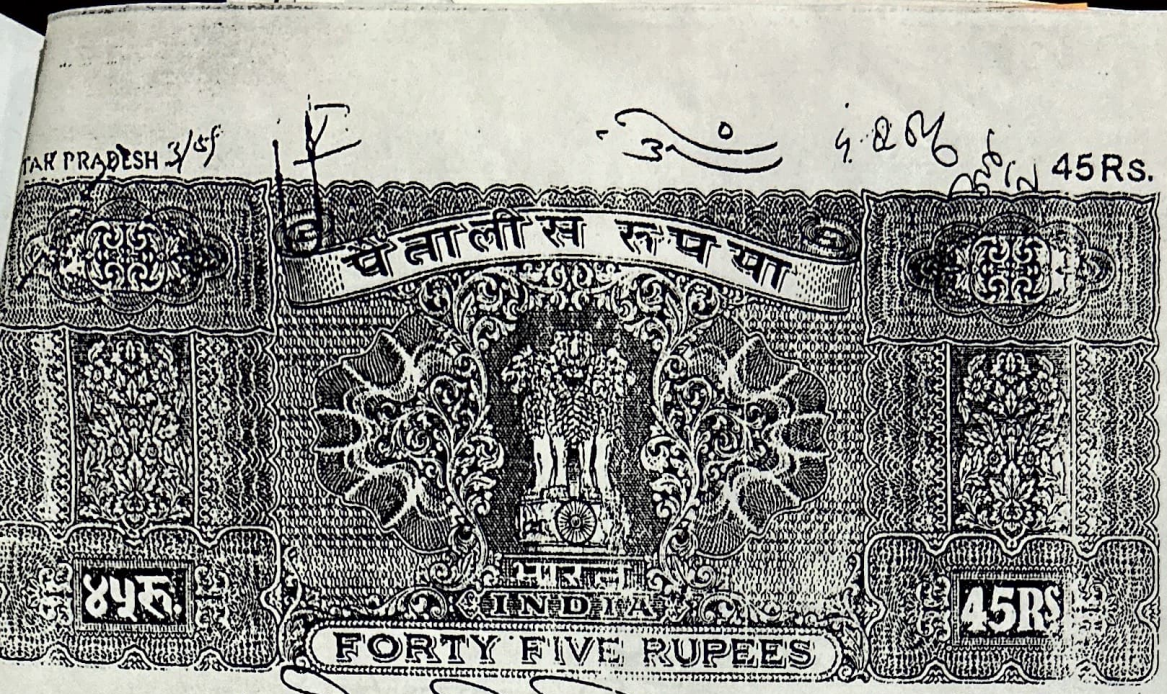

UTTAR PRADESH 45 RS.

पैंतालीस रुपया

भारत

INDIA

४५रु. 45RS

FORTY FIVE RUPEES

मन ।र. भगवानदीन वल्द श्री हीरा लाल सा. मौजा नैनौसी परगना

व तहसील व जिला लखनऊ का हूं ....

जो कि आराजी भूमिधरी नम्बरान व तादादी जैल वाके मौजा नैनौसी

परगना व तहसील व जिला लखनऊ जिसका मैं मालिक बजरिये

सनद नम्बरी क्रम संख्या २४२०१ मुवर्रखा २८ ८/७२ ई० बशामूल दीगर

आराजयात हूं। आराजी मजकूर मेरे कब्जे मालिकाना में मौजूद

है और जुमला हर किस्म के इन्तकालात मिस्ल रहन व बैनामा वगैरा

से बिल्कुल मेरा व पाक साफ है अब अपनी खुशी व रजामन्दी

से बजरूरत खुद उन्हीं आराजयात नम्बरान व तादादी जैल को।

१०००/ मय जुमला हकूक मुतालिका। उसके वास्ते मु० एक हजार रुपया

५००/ जि. अर्ध जिसके मु० पांचसौ रुपया होते हैं बदस्त श्री बदलू राम

रौसन वैद्य पुत्र स्वर्गीय श्री राम चरन भगत सा. कुंगाना शहर लखनऊ

२००/ के हाथ बेच दिया और मुन्दरजा जैल तफसील कि मु० दो सौ

८००/ रुपया नकद कब्ल रजिस्ट्री मुश्तरी से वसूल पाए व मु० आठ सौ रुपया

नकद रूबरू रजिस्ट्री मुश्तरी से वसूल पाकर कब्जा व दखल मालिकाना।

नं० ५९०२ ता० १३-१२-१९६३ई०

मूल्य ४५/ नाम बदलू राम रसिक

पता दुगावां लखनऊ

मारफत

लेखक लालसरन सदर लखनऊ

लालसरन K.S. Nigaam

पन्ना
१०८०/

स्टाम्प फीस उजरत नकल शब्द फीस जोड़
१.०० १.५० ६.०० १३.२२.५०

श्री भगवान दीन पुत्र हीरालाल

व्यवसाय नौकरी निवासी अमौसी परगना तहसील और ज़िला

लखनऊ ने यह लिखित

कार्यालय में तारीख १३ दिसम्बर सन् १९६३ई०

को ३ और ४ बजे के बीच

प्रस्तुत किया।

भगवानदीन

राजेन्द्र सिंह

१३.१२.१९६३.

इस लेख के निष्पादन का प्रतिफल एक हज़ार रुपया

१०००)

की अदायगी ...

... भगवानदीन मुज़ाहिर ने स्वीकार किया।

राम पाल रावत राजेन्द्र नगर

... छोटेलाल ... नौकरी ... परगना

... लाल ... महम्मद

ठेके इब्राहीम बेग
उपनाम भोलाबेग
परगना तहसील
और ज़िला

राजेन्द्र सिंह

१३.१२.१९६३.

भगवानदीन रामपाल रावत हाकेपाल

रा०सिंह

... ४५) ...

... एक ...

मुश्तरी का आराजियात बय शुदा बजाय खुद बखूबी करा
नं० 117

करा दिया अब मुझको व वारसान मेरे को कोई दावा व हक बाकी नहीं रहा। अगर कोई शख्स दावा करे तो गैर नाजायज होवे और जुमला जवाब देही उसकी। मय खर्चा दावेदारी वगैरह वापसी जर समन जिम्मे मेरे है और मेरी हर किस्म की जायदाद मनकूला व गैर मनकूला वापसी जर समन मय हर्जा व नुकसान वास्ते मुश्तरी मजकूर मय खर्चा अदालत के जिम्मेदार है। दीगर वलीवारिस - आराजियात बय शुदा का मुश्तरी अपने नाम करा ले और लगान लगान सालाना आज से जिम्मे मुश्तरी है लिहाजा यह बैनामा

[illegible] पढ़कर [illegible]

तफसील नम्बरान आराजियात बय शुदा

नम्बर खसरा		तादाद रकबा
इक्कीस सौ सैंतीस बटा दो	2137/2	॥५१-१७ ग्यारह बिस्वा सत्रह बिस्वान्सी
इक्कीस सौ छियालिस	२१४६	।।।५१-१० सोलह बिस्वा दस बिस्वान्सी
दो किता	२	१।५३-७ एक बीघा आठ बिस्वा सात बिस्वान्सी

तारीख १३ १२ ९६ ई० जगदीश कुमार नक्शा दस्तावेज नवीस रजिस्टर्ड। [illegible]

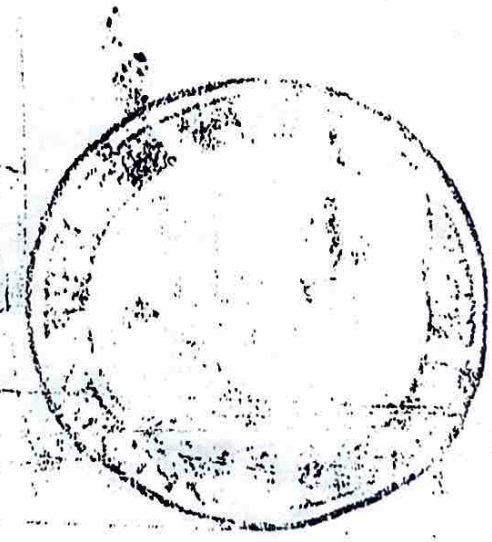

ता० सि० ...
११-१२-६३

रजि० नं० १ जिल्द १७७ ३ के पृष्ठ $\frac{१०५}{१०६}$, पर नं० ४८८६

आज ता० ११-१२-६३ ई० रजिस्ट्री की गई।

सब-रजिस्ट्रार
S. R.